

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं∘ 36]

नई विल्ली, शनिवार, सितम्बर 15, 1973/मात्र 24, 1895

No. 361

NEW DELHI, SATURDAY, SEPTEMBER 15, 1973/BHADRA 24, 1895

इस भाग में निश्न पृथ्ठ संख्या दी जाती है जितते कि यह स्नता संकलन के रूप में रखा जा सके। Separate paging is given in this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

भाग II—खण्ड 4 PART II—Section 4

रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किये गये विधिक नियम और ब्रावेश Statutory Rules and Orders issued by the Ministry of Defence

रक्षा मंत्रालय

नई दिल्ली, 2 अगस्त, 1973

का. नि. आ. 244.—नाँ सेना अधिनियम, 1957 (1957 का 62) की धारा 184 द्यारा प्रदस्त शिक्तयों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, भारत सरकार के रक्षा मंत्रालय की अधिसूचना सं. का. नि. आ. 22-ई, तारीख 19 फरवरी, 1964 के साथ प्रकाश्ति नाँ सेना ऑपचारिकता, सेवा की शर्ली और प्रकीर्ण विनियम, 1964 में अतिरिक्त संशोधन करने के लिए निम्नलिखित विनियम, एसइड्यारा बनाती हैं, अर्थात् :—

- 1. रो विनियम नॉसेना ऑपचारिकता, सेवा की शर्ति और प्रकीर्ण (संशोधन) विनियम, 1973 कहे जा सर्कोर्ग।
- 2. (1) नों संना ऑपचारिकता, सेवा की शर्ते आर प्रकीर्ण विनियम, 1964 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त विनियम कहा गया हों) के विनियम 342 में —
 - (क) शीर्षक (क) 'कार्यपालिका शासा', के नीचे,
 - (1) मद (ग) (1) में अंक "25" के स्थान पर अंक "24" प्रतिस्थापिस किया जाएगा ;
 - (2) मन् (व) (2) में, "उसके पास सक्षमता का" शब्दों के पश्चात् तथा "मास्टर का प्रमाणपत्र" शब्दों के पहले "प्रथम मेटका या" शब्द अंतः स्थापित किए जाएंगे,

(3) मद (घ) (2) के नीचे, निम्निलिखत टिप्पण अंतः स्थापित किये जाएंगे, अर्थातः :—

दिप्पण :--

- (1) उन व्यक्तियों को जिनके पास 2000 टन से अन्यून के पात के मुख्य अधिकारी के रूप में 2 वर्ष का अनुभव और सक्षमता का मास्टर का प्रमाणपत्र (विद्शा गामी) हैं और उन व्यक्तियों को जो हुगली पाइलट सेवा में मास्टर पाइलट हैं और 28 वर्ष से ऊपर की आयु के हैं लेफिटीनेंट के रेंक में 2 वर्ष पहले की सारीख से ज्येष्ठता दी जा सकेगी।
- (2) उन व्यक्तियों को, जिनके पास सक्षमता का मास्टर का प्रमाणपत्र (विदेशगामी) हैं, यदि वे 26 वर्ष से ऊपर की आयु के हें तो, एक वर्ष पहले की तागेख से ज्येष्ठता धी जा सकेगी।
- (ख) शीर्षक (ख) इंजीनियरी शाखा के नीचे, मद (ख) (2) के नीचे निम्निलिखित टिप्पण अंतःस्थापित किए जाएंगे : अर्थात् :---

टिप्पण :—

(1) उन व्यक्तियों को जिनके पास उक्त प्रमाणपत्र आर 2000 टन या अधिक के पौत के मुख्य इंजीनियर के रूप में दो वर्ष का अनुभव हैं, लेफ्टिनेन्ट के रॉक में दो वर्ष पहले

- की तारीख से ज्येष्ठता दी जा सकेगी परन्त, यह तब जब कि वे 28 वर्ष से ऊपर की आयु के हो चुके हें"।
- (2) उन व्यक्तियों को जिनके पास उक्त प्रमाणपत्र हैं और जो 26 वर्ष से ऊपर की आयु के हो चुके हैं लेफ्टिनेन्ट के रोंक में एक वर्ष पहले की सारीख से ज्येष्टसा दी जा सकेंगी।
- 2. उक्त विनियमों के विनियम 350 के अन्त में निम्नीलीखत परन्तुक जोड़ा जाएगा, अर्थात् :---
 - (घ) परन्तु उन लोगों के मामले में जो स्तात्र हैं नों सेनाध्यक्ष आरिम्भक और बाध्यकर प्रशिक्षण के नियमों को तब शिथिल कर सकेगा जब कि वह यह समकता है कि ऐसा शिथिलिकरण आवश्यक हैं। शिथिल करने के लिए पूरे कारण बताते हुए ऐसे शिथिलीकरण के लिए आवेदन रिजवीं के रजिस्टार की मार्जत किए जा सकेंगे।
- (3) उक्त विनियमों के विनियम 353 में उपविनियम (3) के स्थान पर निम्निलिखित उप विनियम प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:—
- (3) सब प्रशिक्षण अविधयों में सात दिन तक के आधिक्यों या कमियों को नॉसेनाध्यक्ष की शक्ति से विनियमित किया जा सकेगा।
- (4) उक्त विनियम के विनियम 381 में, मद (ग) के पश्चात्, निम्निलिखत मद अंतः स्थापित की जाएगी, अर्थोत् :—
 - (घ) केन्द्रीय सरकार सेवा में सिविश्यिन राजपित अधिकारी वर्ग 1 और सिविश्यिन अथवा वे लाग, जो स्थानीय निकायों था ख्यातिप्राप्त फर्मा में नियांजित हैं और 800 रु. प्रति मास से अधिक मूल वेतन पाते हैं, जब भारतीय नॉसीनक रिजर्व था भारतीय नॉसीनक वालेपिटयर रिजर्व में कमीशन के लिए चयन बार्ड के सामने बुलाए जाएंगे तब इस बात के इकदार होंगे कि उनको यथास्थित रेल से पहले दर्ज का यात्रीभाड़ा था स्टीमर के सबसे ऊर्च दर्ज का यात्रीभाड़ा दिया जाए। यिष् वे 800 रु. प्रति माह अथवा अधिक पा रहे हों तो वे सड़क से मील-दूरी और देंनिक भक्ते के भी, जो श्रेणी 1 के अधिकारियों के लिए अनुहाय हो, इकदार होंगे। वे लोग जो 790 रु. प्रति मास वेतन पाते हैं उन भक्तों के हकदार होंगे जो श्रेणी 2 के अधिकारियों के लिए अनुहाय हों।
- (5) उक्त विनियमों के विनियम 383 के स्थान पर निम्न-लिखित विनियम प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—
- 383. पूरं बेतन का प्रारंभ और समाप्ति.—प्रशिक्षण या सेवा ले लिए बुलाए जाने पर, वेतन उस तारीख से प्रारंभ होगा जिसको वह अधिकारी काम पर अपने पाँहुचने की रिपोर्ट देने के लिए अपनी यात्रा वस्तुतः आरम्भ करता है और उस तारीख से समाप्त हो जाएगा जिसको वापसी यात्रा समाप्त होती है और वे प्रथम नियुक्ति का कार्यभार प्रहण करने पर और अपनी सिक्रय सेवा के पर्यवसान पर उन्हीं यात्रा भत्तों के हकदार होंगे जैसे कि भारतीय नौं सेना के समतुल्य राँक के नियमित अधिकारियों के लिए अनुहोय हैं।

परन्त, निवास-स्थान से था निवास-स्थान को हर यात्रा मद्दं वैतन और भत्तो उन मामलों में दस दिन तक निर्वन्धित होगा जिनमें ऐसी यात्रा की अवधि उस सीमा से अधिक हो गई हैं।

- (6) उक्त विनिधमों के विनिधम 387 में खण्ड (ग) के पश्चात निम्निलिखत खण्ड अतः स्थापित किया जाएगा, अर्थात :---
 - (ध) अधिकारी, 1970 की पहली जनवरी से, परिधान भरते के नवीकरण के हकदार उन्हीं दशाओं में होंगे जिनमें भारतीय नॉसेना के नियमित अधिकारी आहूत सेवा के आधार पर हकदार होते हैं।

[फा. आर. आर./0155] सी. पी. रामचन्त्रन, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF DEFENCE

New Delhi, the 2nd August, 1973

- S.R.O. 244.—In exercise of the powers conferred by section 184 of the Navy Act, 1957 (62 of 1957), the Central Government hereby makes the following regulations, further to amend the Naval Ceremonial, conditions of Service and Miscellaneous Regulations, 1964, published with the notification of the Government of India in the Ministry of Defence No. SRO 22-E dated the 19th February, 1964, namely:—
- 1. These Regulations may be called the Naval Ceremonial, Conditions of Service and Miscellaneous (5th Amendment) Regulations 1973.
- 2. (1) In regulation 342 of the Naval Ceremonial, Conditions of Service and Miscellaneous Regulations, 1964 (hereinafter referred to as the said regulations).
 - (a) under the heading (A) Executive Branch
 - (i) In item (c) (i), for the figures "25", the figures "24" shall be substituted;
 - (ii) In item (d) (ii), after the words "Hold a the words "First Mates or" shall be inserted;
 - (iii) Under item (d) (ii), the following notes shall be inserted, namely :---

Note :-

- (1) Those in possession of Master's Certificate of Competency (Foreign Going) with experience of 2 years as Chief Officer of ships of not less than 2000 tons and those who are Master Pilot in the Hooghly Pilot Service and over 28 years of age may be given 2 years antedated seniority in the rank of Lieutenant.
- (2) Those in possession of Master's Certificate of Competency (Foreign Going) may be given one year antedated seniority in the rank of Lieutenant if over 26 years of age.
- (b) Under the heading (B) Engineering Branch, below item (b)(ii), the following notes shall be inserted namely:—

Note :-

- (1) Those who are in possession of the above certificate and have two years experience as Chief Engineer of ship of 2000 tons or more may be given antedated seniority of two years in the rank of Licutenant provided they are over 28 years of age.
- (2) Those who are in possession of the above certificate and arc over 26 years of age may be given one year antedated seniority in the rank of Licutenant.
- (2) To Regulation 350 of the said regulations, the following proviso shall be added at the end, namely:—
 - (d) Provided that in deserving cases the Chief of the Naval Staff may relax the rules of initial and obligatory training if he considers that such relaxation is necessary. Applications for such relaxation may be made through the Registrar of Reserves stating full reasons for the relaxation.

(3) In regulation 353 of the said regulations, for sub-regulation (3), the following sub-regulation shall be substituted namely:—

SEC. 4]

- (3) The excesses or shortages of all training periods upto seven days may be regularised under the powers of the Chief of the Naval Staff.
- (4) In regulation 381 of the said regulations, after item (c), the following item shall be inserted, namely:—
 - (d) Civilian Gazetted Officer Class I and Civilians in Central Government Service or those employed in local bodies or reputed firms and in receipt of basic pay exceeding Rs. 800|- per month, will be entitled to the grant of first class fare by rail or highest class fare by steamer, as the case may be, when called up before the Board of Selection for commission in the Indian Naval Reserve or the Indian Naval Volunteer Reserve. They will also be entitled to road mileage and daily allowance as admissible to officers of Grade I if in receipt of pay of Rs. 800/- p.m. or above. Those drawing pay upto Rs. 799/- per month will be entitled to such allowance as are admissible to officers of Grade II.
- (5) For Regulation 383 of the said regulations, the following regulation shall be substituted, namely:—
- 383. Commencement and Cessation of full pay.—When called up for training or service, pay shall commence from the date officer actually starts his journey to report for duty and shall cease from the date the return journey ends and they will be entitled to the same travelling allowances on joining first appointment and termination of their active service as admissible to regular officers of the Indian Navy of equivalent rank.

Provided that pay and allowances for travelling time for each journey from or to the place of residence shall be restricted to ten days in case where the period of such journey exceeds that limit.

- (6) In regulation 387 of the said regulations, after clause (c), the following clause shall be inserted, namely:—
 - (d) Officers will be entitled, with effect from the 1st January, 1970, to renewal of outfit allowance under the same conditions as are applicable to regular officers of the Indian Navy on the basis of call up service.

[NHQ-Case No. RR/0155] C. P. RAMCHANDRAN, Jt. Secy.

नर्ह चिल्ली, 1 सितम्बर, 1973

का. नि. आ. 245.—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छे द 309 के परन्सुक व्वास प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, सेनिक फार्म विभाग में नक्शानवीस श्रेणी 4 के वर्ग 3 सिविलियन पद पर भर्ती की पद्धित को विनियमित करने वाले निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :—

- 1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ.—(1) इन नियमों का नाम सीनिक फार्म विभाग (वर्ग 3 सिवितियन पव) भती नियम, 1973 है।
- (2) ये नियम राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ का प्रवृत्त होंगे।
- 2. लागू होना.--ये नियम इन नियमों से उपाबद्ध अनुसूची के स्तंभ 1 में विनिर्दिष्ट पद को लागू होंगे।
- 3. संख्या, वर्गीकरण और वेतनमान.—उक्त पद की संख्या, उसका वर्गीकरण और उसका वेतनमान वे होंगे जो उक्त अनुसूची के स्तंभ 2 से 4 तक में विनिर्विष्ट हैं"।
- 4. भर्ती की पन्धित, आणु-सीमा, अर्हताएं आदि.—उक्त पद पर भर्ती की पन्धित, आयु-सीमा, अर्हताएं और उससे सम्बन्धित अन्य बातों वे होंगी जो प्रशिक्त अनुसूची के स्तंभ 5 से 13 तक में विनिदिष्ट हैं:

परन्त, सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों की बाबत विहित्त अधिकतम आयु-सीमा, कोन्हीय सरकार इवारा समय-समय पर निकाले गए आवेशों के अनुसार, अनुस्चित जातियों, अनुस्चित जनजातियों और अन्य विशेष प्रवर्ग के अभ्यधियों के संबंध में शिथिल की जा सकेंगी,

- 5. निरर्हताएं.--वह व्यक्ति ---
- (क) जिसने एसे स्थिक्त से जिसका पति या जिसकी पत्नी जीविस ह", विवाह किया ह", या
- (ख) जिसने अपने पत्ति या अपनी पत्नी के जीवित होते हुए किसी व्यक्ति संविवाह किया हैं,

उक्त पद पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा :

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार का समाधान हो जाए कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के अन्य पक्षकार को लागू स्वीय विधि के अधीन अनुज्ञेय हैं और ऐसा करने के लिए अन्य आधार माँजूव हैं तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दें सकेगी!

- 6. शिधिल करने की शिक्त:—जहां केन्द्रीय सरकार की राय हो कि ऐसा करना आयश्यक या समीचीन हैं वहां, बह, उसके लिए जो कारण हैं उन्हीं लेखबद्ध करके, हन नियमों के किसी उप-बंध को, किसी वर्ग या प्रवर्ग के व्यक्तियों की बाबत, आदेश इवारा, शिधिल कर सकेगी।
- 7. क्यावृत्ति.—इन नियमों की कोई भी बात एसे आरक्षणों आर अन्य रियायतों पर प्रभाव नहीं हालंगी जिनका, केन्द्रीय सरकार इवारा इस संबंध में समय-समय पर निकाल गए आदेशों के अनुसार अनुस्चित जातियों, अनुस्चित जन जातियों और अन्य विशेष प्रवर्ग के अभ्योधियों के लिए उपबंध करना अपेक्षित हैं।

अनुस् ची								
रका मंहातव में	मरशासकीस	श्रेणी	4 के	प्य	के	सिए	मर्ती	नियम

			4.3.7.					
		रका मंत्रालय में मश्शामर्थ	ोस श्रेणी 4 के पद के	सिए मर्ती नियम				
थस्कानाम पद्यों की संख्या		वर्गीकरण	करण वेतनमान		प्रथवाग्रचयन पद	सीधे मर्ती किए जाने वाले ध्यक्तियों के लिए श्रायुसीम		
		3	4		5	6		
न#णानवीस श्रेणी 4	1	रक्षा सेवाश्रों में सिविलियन धर्ग-3, प्रशाजपत्नित, श्रनतु- सचिवीय, श्रनीद्योगिक ।	150-5-175-6-20 হী০-7-240 মৃ৹		गुनहीं होता।	18 और 25 वर्ष के बीच		
सीघे भर्ती किए जाने वारे	ने व्यक्तियों के लिए श्रन्य श्रर्हताएं	भ्रवेक्षित गोक्षिक श्रीर सीधे भर श्रायु श्र	र्ती किए जाने वाले ध्यक्ति ौर ग्रेंक्षिक प्रर्हताएं प्रे सागू होगी या नहीं	कितों की दशामें	परिजीक्षा की	श्रवधि, यदि कोई हो		
7			8			9		
(1) मैंद्रिक परीक्षा उर्से (2) भारत गरकार द्वार नथीसी में डिप्लोम बाछगोय: भारत सरकार द्वारा मा में उपाधि ।	रा मान्यताप्राप्त किसी ।	ासंस्थान से नक्ष्या-	लागू नहीं ह	्रोता ।		दो वर्ष		
भर्ती की पद्धति/भर्ती सी। प्रोन्नति द्वारा या स्थानान तथा विभिन्न पद्धतियों जाने वाली रिक्तियों व	त्तरण हारा हारा भरी	:/स्थानान्तरण द्वारा भर्ती की जिनसे प्रोन्नति/स्थानान्तरण f		यदि विभागीय प्रोक तो उसकी संरच	-	र्ती करने में किन परिस्थितिये संघ लोक सेवा श्रायोग रे परामर्श किया जाएगा		
10		11		1	2	13		
शतप्रतिषत सीधी भर्ती द्वारा लागू न		 लागू नहीं होता ।		लाग् नहीं	लागू नहीं होता ।			

ए० एस० बेदी, ग्रवर सचिव

New Delhi, the 1st September, 1973

- S.R.O. 245.--In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the Class III civilian post of Draughtsman Grade IV in the Military Farms Department, namely :-
- 1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Military Farms Department (Class III Civilian Posts) Recruitment Rules, 1973.

 (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

- Application.—These rules shall apply to the post as specified in column 1 of the Schedule annexed to these rules.
- 3. Number, Classification and scale of pay.—The number of the said post, its classification and the scale of pay attached thereto shall be as specified in columns 2 to 4 of the said Schedule.
- 4. Method of recruitment, age limit, qualifications, etc. -The method of recruitment to the said post, age limit, qualifications and other matters relating thereto shall be as specified in columns 5 to 13 of the Schedule aforesaid:

Provided that the upper age limit prescribed for direct recruits may be relaxed in the case of candidates belonging to the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes and other special categories in accordance with the orders of the Central Government issued from time to time.

- 5. Disqualifications:- No person,-
- (a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or
- (b) who having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person, shall be eligible for appointment to the said post:

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and that there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

- 6. Power to relax.—Where the Central Government is of opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order, and for reasons to be recorded in writing, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.
- 7. Saving.—Nothing in these rules shall affect reservations and other concessions required to be provided for candidates belonging to the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes and other special categories in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

SCHEDULE

Name of post	No. of posts	Classification	Scale of pay	Whether selection post or non-selection post.	Age limit for direct recruits.	t		il and other qualifi- quired for direct
1	2	3	4	5	6			7
Draughtsman Grade IV	1	Civilians in Defence Services Class III, Non-Gazetted, Non-Ministerial, Non-Industrial.	Rs. 150-5-175- 6-205-EB-7-240.	Not applicable	Between 25 years		equivaler 2. Diplom from ar by the Desirable: Degree in an insti	lation examination or nt qualification. a in draughtsmanshin institute recognised Government of India draughtsmanship from tute recognised by the ment of India.
Whether age and ed cational qualificatio prescribed for direct recruits will apply in the case of promoted	ns ifa : 1	iod of probation,	Method of recrui ment whether by direct recruitmen by promotion or transfer and perc tage of the vacan to be filled by va methods.	ment by pro t or transfer grad which prome en- transfer to b cies	motion/ les from otion/	If a DPC what is tion.	cxists, its composi-	Circumstances in which UPSC is to be consulted in making recruitment.
8 9		9	10	11	11		12	13
Not applicable Two years		,	100% direct recru	iit- Not appli	·	Not appl		Not applicable

A. S. BEDI, Under Secy.

New Delhi, the 5th September, 1973

- S.R.O. 246.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the Defence Science Service Rules, 1967, published with the notification of the Government of India, in the Ministry of Defence No. SRO 51 dated the 25th January, 1967, namely:
 - commencement: -(1)These 1. Short title and rules may be called the Defence Science Service (Second Amendment) Rules, 1973.
 - (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
- 2. Amendment to preamble paragraph.—In the Defence Service (Amendment) Rules, 1973, published with the notification of the Government of India, in the Ministry of Defence No. SRO 48 dated the 6th February, 1973, in the preamble, for the expression 'No. SRO 61', the expression 'No. SRO 51' shall be substituted. be substituted.
- Amendment of Rule 13:— In the Defence Service Rules, 1967, rule 13 shall be renumbered as sub-rule (1) thereof and

after sub-rule (1) as so numbered, the following sub-rule shall be inserted, namely :-

- "(2) Confirmation—Confirmation shall be made after taking into consideration the recommendation of the Departmental Promotion Committee which shall be constituted as follows :-
 - (i) For the post of Director Grade I (Rs. 2000—2500) and equivalent post/grade.
 - (a) Member, Union Public Service Chairman Commission.
 - (b) Scientific Adviser to the Member Minister of Defence.
 - (ii) For the post of Director Grade II (Rs. 1600-1900) and Deputy Chief Scientific Officer (Rs. 1300-1800)
 - (a) Member, Union Public Service Commission.

Chairman

(b) Scientific Adviser or his representative not below the rank of a Joint Secretary or a person of equivalent status.

Member

	(c) Joint Secretary (dealing with Research and Development Organisation).	Member	(c)	Joint Secretary (dealing with Research and Development Organisation).	Member
(iii)	For the post of Principal Scientific Officer (Rs. 1100—1500).			For Class II posts the recruitment to which do not fall within the	
((a) Member, Union Public Service Commission.	Chairman		purview of the Commission.	
	(b) Scienctific Adviser or his representative not below the rank of a Director Grade 1 or a person of equivalent status.	Member	(a)	Scientific Adviser (or Joint Secretary dealing with Research and Development Organisation, if Scientific Adviser is unable to attend the meeting).	Chairman
	(c) Joint Secretary (dealing with Research and Development Organisation).	Member	(b)	Joint Secretary (dealing with Research and Development	Member
(iv)	For other Class I posts in the scale of Rs. 700—1250 and below and Class II posts recruitment to which fall within the purview of the Commission.			Organisation), (or a representative of Scientific Adviser, if Scientific Adviser is unable to attend the meeting).	
	(a) Member, Union Public Service Commission.	Chairman	(c)	One officer from the Technical Directorate concerned who may be either Chief Controller Re-	Member
	(b) Scientific Adviser or his representative not below the rank of a Director Grade II or a person of equivalent status.	Member		search and Development, Chief Scientist, Director General of Inspection or the Director con- cerned from the Headquarters.	

[File No. 92283/RD-21(c)/

/D(R&D).

L. N. BHALLA, Under Secy.